17 अप्रैल 2026
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पेड़ से उल्टा लटकाकर पिटाई कांड : पुलिस एक्शन पर भड़का गुस्सा, सड़क जाम कर ग्रामीणों का प्रदर्शन **2**

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध | आपकी आवाज | ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एक नजर

न्यायिक सेवाओं में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें न्यायिक सेवाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत पदों को भरने के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों पर विचार करने का निर्देश मांगा गया था, साथ ही उन्हें कानून अधिकारियों और सरकारी वकीलों के रूप में नियुक्त करने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्या बागची व विपुल एम. पंचोली की पीठ ने गुरुवार को याचिकाकताओं को ऐसी याचिकाएं दायर नहीं करने की सलाह दी है। मुख्य न्यायाधीश ने वकील विष्णु शंकर जैन से कहा, "हमें शर्मिंदा न करें और अपने लिए जटिलताएं न बढ़ाएं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसे परिवर्तन एक दिन में नहीं होते। पीठ ने यह भी कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे को न्यायिक पक्ष पर उठाना उचित नहीं होगा, जब तक कि विशेष तथ्यों और परिस्थितियों में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं हो।

कुरनूल सड़क हादसे में 8 तीर्थयात्रियों की मौत

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां मंत्रालयम मंडल के चिलकलदोना के पास एक बोलेरो गाड़ी और लॉरी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में आठ लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर हडकंप मच गया और कई यात्री गाड़ी के भीतर ही फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में कुल आठ लोगों की मौत हुई है। इनमें से पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। तीन अन्य लोगों की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। इस दुर्घटना में करीब 10 से 12 लोग घायल हुए हैं। घायलों को एम्मिगनूर अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दर्दनाक सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

बिहार में 17 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना, घर बैठे खुद भर सकेंगे पूरा ऑनलाइन फॉर्म

एजेंसी। पटना

बिहार में जनगणना 2027 की शुरूआत 17 अप्रैल 2026 से होने जा रही है। पहले चरण में राज्य के लोगों को खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन भरने का मौका मिलेगा। यह स्व-गणना प्रक्रिया 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक चलेगी। इस दौरान लोग घर बैठे जनगणना पोर्टल पर जाकर अपने परिवार और मकान से जुड़ी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इस पोर्टल पर परिवार के मुखिया के नाम और परिवार के किसी एक सदस्य के मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद नागरिकों को 33 सवालों के जवाब भरने होंगे।

इन सवालों में मकान की स्थिति, फर्श, दीवार और छत किससे बनी है। कितने लोग रहते हैं, परिवार के सदस्यों की संख्या, पानी, बिजली, शौचालय, रसोई, गैस कनेक्शन, इंटरनेट, मोबाइल, वाहन और दूसरी जरूरी सुविधाओं की जानकारी मांगी जाएगी। ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद हर परिवार को एक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी मिलेगी। इस आईडी को संभालकर रखना जरूरी होगा। अगले महीने जब प्रगणक घर आएंगे। तब यही आईडी उन्हें दिखानी होगी। इसके आधार पर वे दर्ज की गई जानकारी को वेरीफाई करेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल ने कहा कि इस नई व्यवस्था से आम लोगों की सीधी भागीदारी बढ़ेगी। इससे जनगणना का काम ज्यादा सटीक, तेज और आधुनिक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह कदम जनगणना प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में अहम पहल है। बिहार में जनगणना 2027 का पहला चरण 17 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है पहले 15 दिनों तक लोग ऑनलाइन पोर्टल पर खुद अपने परिवार और घर की जानकारी भर सकेंगे। इसके बाद प्रगणक घर पहुंचकर दर्ज जानकारी की जांच करेंगे। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और आसान बनाई गई है।

बार-बार दफ्तर आने की जरूरत नहीं होगी

सरकार का कहना है कि इस ऑनलाइन व्यवस्था से लोगों को बार-बार दफ्तर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे सुरक्षित तरीके से अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकेंगे। बिहार में पहली बार इस तरह की डिजिटल स्व-गणना व्यवस्था लागू की जा रही है। इससे जनगणना का काम ज्यादा आसान और पारदर्शी बनने की उम्मीद है।

नीयत में खोट है, यह सिर्फ चुनावी पैंतरा : मल्लिकार्जुन खरगे

सैन्य संघर्ष समस्याओं का समाधान नहीं, स्थायी शांति ही रास्ता : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज पूरी दुनिया बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है, जो हर देश को प्रभावित कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दोनों जगह स्थिर, स्थायी और दीर्घकालिक शांति की जरूरत है। ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर क्रिश्चियन स्टाकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। चांसलर स्टाकर चार दिवसीय भारत यात्रा पर हैं, जो उनकी यूरोप के बाहर पहली आधिकारिक यात्रा है। चार दशकों बाद कोई आस्ट्रियाई चांसलर भारत दौरे पर है। दोनों नेताओं ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और इन चुनौतियों से निपटने के

पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र सम्राट चौधरी को बिहार का 24वां मुख्यमंत्री चुना गया

परिसीमन से दक्षिण के राज्यों की ताकत बढ़ेगी : गृह मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

बजट सत्र का विस्तार करते हुए सरकार ने तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है, जो गुरुवार को शुरू हो गया। इसमें तीन मुख्य विधेयक संविधान (131वां) संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। सरकार ने कहा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। मंगलवार (14 अप्रैल, 2026) को केंद्र सरकार ने सांसदों के बीच ड्राफ्ट बिल बांटे। ये बिल महिलाओं के लिए आरक्षण कानून 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन करने से जुड़े थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण और परिसीमन पर लोकसभा में बोलते हुए कहा कि एक सबसे बड़ा नैरेटिव खड़ा किया जा रहा है, भ्रांति फैलाई जा रही है कि यह जो तीन विधेयक हैं: संविधान संशोधन विधेयक और परिसीमन और संघ क्षेत्र के चुनाव के कानून में बदलाव का कानून, यह आने से लोकसभा में दक्षिण की क्षमता कम हो जाएगी और हमारे दक्षिण के राज्यों को बहुत बड़ा नुकसान होगा। कर्नाटक राज्य में 28 सीटें हैं... यह संविधान संशोधन होने के बाद कर्नाटक की संख्या 28 से 42 हो जाएगी, जरा भी नुकसान कर्नाटक को नहीं होगा। काले कपड़ों में विरोध प्रदर्शन को लेकर डीएमके पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे उनका शुक्रिया अदा करते हैं, क्योंकि उन्होंने विधेयकों को 'बुरी नजर' से बचाने के लिए उन पर 'काला टीका' लगा दिया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में कहा कि महिला आरक्षण बिल के तहत एससी और एसटी समुदायों से ताल्लुक रखने वाली महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में कोटा मिलेगा।

आज अगर चाणक्य होते वो भी चौंक जाते : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने जोरदार भाषण दिया। उन्होंने कहा कि आज की बहस वास्तव में महिला आरक्षण पर नहीं, बल्कि राजनीतिक चालाकी पर है। प्रियंका ने बिल के ड्राफ्ट का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने पूरा प्रारूप पढ़ा है। इसमें सबसे पहले लिखा है कि महिला आरक्षण 2029 तक लागू होगा, हम इससे सहमत हैं। दूसरा, सीटों की संख्या 850 तक बढ़ाई जाएगी और इसके लिए परिसीमन आयोग बनेगा जो 2011 की जनगणना को आधार बनाएगा। पुराने आंकड़ों के आधार पर क्यों आगे बढ़ना चाह रही सरकार। जल्दबाजी क्यों। जब तक जातिगत जनगणना नहीं होगी, सभी वर्गों को उचित हिस्सा नहीं मिल सकता है। इसे ध्यान से देखें तो इसमें साफ राजनीति की बू आती है।' उन्होंने याद दिलाया कि 2023 के मूल बिल में नई जनगणना कराने का प्रावधान था, जो इस ड्राफ्ट में गायब है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए प्रियंका ने कहा, 'अगर आज चाणक्य जिंदा होते तो वे भी चौंक जाते।'

सैन्य संघर्ष समस्याओं का समाधान नहीं, स्थायी शांति ही रास्ता : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज पूरी दुनिया बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है, जो हर देश को प्रभावित कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दोनों जगह स्थिर, स्थायी और दीर्घकालिक शांति की जरूरत है। ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर क्रिश्चियन स्टाकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। चांसलर स्टाकर चार दिवसीय भारत यात्रा पर हैं, जो उनकी यूरोप के बाहर पहली आधिकारिक यात्रा है। चार दशकों बाद कोई आस्ट्रियाई

चांसलर भारत दौरे पर है। दोनों नेताओं ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और इन चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। मोदी ने कहा, 'ऐसी तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में भारत और आस्ट्रिया दोनों इस बात पर एकमत हैं कि सैन्य संघर्ष समस्याओं का हल नहीं है। हम यूक्रेन और पश्चिम एशिया दोनों में स्थिर और टिकाऊ शांति चाहते हैं। वार्ता में दोनों पक्षों ने वैश्विक संस्थाओं के सुधार पर भी सहमति जताई। आतंकवाद का पूर्ण रूप से खात्मा दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता है।वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच छह महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें भारतीय और ऑस्ट्रियाई कंपनियों के लिए एक-दूसरे के यहां निवेश को आसान बनाने के लिए फास्ट ट्रैक मैकेनिज्म, सैन्य सहयोग और आतंकवाद विरोधी सहयोग शामिल हैं। दोनों देश आतंकवाद पर संयुक्त कार्य समूह गठित करने पर भी सहमत हुए।

न्यायिक सेवाओं में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें न्यायिक सेवाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत पदों को भरने के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों पर विचार करने का निर्देश मांगा गया था, साथ ही उन्हें कानून अधिकारियों और सरकारी वकीलों के रूप में नियुक्त करने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्या बागची व विपुल एम. पंचोली की पीठ ने गुरुवार को याचिकाकताओं को ऐसी याचिकाएं दायर नहीं करने की सलाह दी है। मुख्य न्यायाधीश ने वकील विष्णु शंकर जैन से कहा, "हमें शर्मिंदा न करें और अपने लिए जटिलताएं न बढ़ाएं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और ऐसे परिवर्तन एक दिन में नहीं होते। पीठ ने यह भी कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे को न्यायिक पक्ष पर उठाना उचित नहीं होगा, जब तक कि विशेष तथ्यों और परिस्थितियों में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं हो। याचिका में केंद्र और शीर्ष अदालत के कालेजियम को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों पर विचार करें, ताकि 50 प्रतिशत रिक्तियों को भरा जा सकें और राष्ट्रपति को ऐसी नियुक्तियों के लिए सिफारिश करें।

अंक नहीं, मेहनत तय करती है असली सफलताः अविनाश दत्त का छात्रों को संदेश

■ सीबीएसई परिणाम के बाद दत्त क्लासेस में छात्रों को मिली प्रेरणा, कम अंक वालों को निराश न होने की दी सलाह

केटी न्यूज/बक्सर

सीबीएसई बोर्ड के हालिया परीक्षा परिणाम के बाद जहां कई छात्र अच्छे अंकों से उत्साहित हैं, वहीं कुछ छात्र अपेक्षा से कम अंक आने के कारण निराश भी नजर आ रहे हैं। ऐसे समय में बक्सर स्थित दत्त क्लासेस के संचालक अविनाश दत्त ने छात्रों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया है। गुरुवार को आयोजित एक संवाद सत्र में उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी छात्र की प्रतिभा का आकलन केवल अंकों के आधार पर करना उचित नहीं है।

अविनाश दत्त ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का पैमाना केवल बोर्ड परीक्षा के अंक नहीं होते। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कई ऐसे छात्र रहे हैं, जिनके शैक्षणिक अंक औसत रहे, लेकिन उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशासनिक सेवाओं जैसे प्रतिष्ठित पद हासिल किए। उनका कहना था कि असली सफलता निरंतर प्रयास, अनुशासन और आत्मविश्वास से मिलती है, न कि केवल मार्कशीट के अंकों से।

उन्होंने विशेष रूप से उन छात्रों को प्रेरित किया, जिनके अंक उम्मीद के मुताबिक नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्र निराश होने के बजाय इसे एक अनुभव के रूप में लें और अपनी कमजोरियों को पहचानकर आगे बेहतर तैयारी करें। असफलता या कम अंक भविष्य की सफलता के रास्ते में बाधा नहीं, बल्कि सीखने का अवसर होते हैं।

इस अवसर पर दत्त क्लासेस के छात्रों ने भी विभिन्न विषयों में सराहनीय प्रदर्शन किया। सोशल साइंस में रिशु ने 93, सूरज ने 92 और अश्विन ने 90 अंक प्राप्त किए। वहीं गणित में दिव्या, सूरज और रिशु ने 90-90 अंक हासिल किए। इसके अलावा सिमरन (81), विवेक (82), कुशल (80), आयुष्मान (80), खुशी (79) और ऋषिका (69) ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया।

अंत में अविनाश दत्त ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परिणाम उनके भविष्य की दिशा तय करने का एक पड़ाव भर है, मंजिल नहीं।

सड़क पार कर रही महिला को तेज रफ्तार बाइक ने उछाला, पहचान अब तक नहीं

कृष्णाब्रह्म। पटना, बक्सर एनएच-922 एक बार फिर रफ्तार के कहर का गवाह बना, जहां गुरुवार दोपहर सड़क पार कर रही एक महिला को तेज गति से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा बड़का ढकाइच गांव के पास हुआ, जिसने इलाके में दहशत और आक्रोश दोनों पैदा कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर सड़क पार कर रही थी, तभी बक्सर की ओर जा रही बाइक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला कई फीट दूर जा गिरी और मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद कुछ पल के लिए अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एम्बुलेंस बुलवाई और घायल महिला को तुरंत डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल भेजा, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, बाइक सवार को भी हल्की चोटें आई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खबर लिखे जाने तक घायल महिला की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे पुलिस के सामने जांच की चुनौती और बढ़ गई है। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर महिला की शिनाख्त में जुटी हुई है। गौरतलब है कि एनएच-922 पर लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं प्रशासन के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। स्थानीय लोग यहां स्पीड कंट्रोल और सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं, ताकि ऐसे हादसों पर लगाम लगाई जा सके।

डुमरांव में रेल ट्रैक पर मिला पटना के युवक का शव, रहस्य बरकरार

■ गया में रह मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था मृतक, मोबाइल लोकेशन से मिला शव, हादसा या साजिश—हर एंगल पर जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में एक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र का शव रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान पटना के गर्दनीबाग निवासी हर्ष आनंद के रूप में हुई है, जो गया में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हर्ष गया से अपने घर पटना लौट रहा था, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई।

हर्ष के पिता डॉ. रजनीश कुमार ने बेटे के लापता होने की सूचना तत्काल जीआरपी थाने को दी और उसका मोबाइल नंबर साझा किया। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी मदद से युवक की लोकेशन ट्रैक करनी शुरू की। जांच के दौरान उसकी अंतिम लोकेशन डुमरांव क्षेत्र में पाई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने सर्च अभियान चलाया।

जीआरपी, बक्सर पुलिस, डुमरांव थाना और डीआईयू टीम ने संयुक्त रूप से हथेलीपुर मठिया के पास रेलवे ट्रैक के आसपास व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। काफी खोजबीन के बाद पोल संख्या 643/9 और 11 के बीच ट्रैक किनारे युवक का शव बरामद किया गया। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया ट्रेन से दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस इसे अभी अंतिम निष्कर्ष मानने से बच रही है।

मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हर्ष डुमरांव कैसे पहुंचा, जबकि वह गया से पटना जा रहा था। क्या वह किसी कारणवश रास्ता बदलकर यहां आया, या फिर उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई? इन तमाम बिंदुओं पर पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। साथ ही, युवक के मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन हिस्ट्री और यात्रा से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहराई से जांच की जा रही है। रेलवे ट्रैक के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि घटना के पहले और बाद की स्थिति का सुराग मिल सके।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे इस घटना को लेकर कई सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि हर्ष एक मेहनती और शांत स्वभाव का छात्र था, जिसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में उसकी मौत को लेकर संदेह और गहरा हो गया है। फिलहाल पुलिस हर संभावित एंगल—दुर्घटना, आत्महत्या या किसी साजिश—को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है। पूरे मामले का सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

बाबा साहब की प्रतिमा से हुआ छेड़छाड़, हरपुर में भड़का गुस्सा

■ जयंती के ठीक बाद हुई घटना, ग्रामीण बोले— यह सिर्फ तोड़फोड़ नहीं, सामाजिक सौहार्द पर हमला

केटी न्यूज/राजपुर

थाना क्षेत्र के हरपुर गाँव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की नवनिर्मित प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। यह घटना सिर्फ एक प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे सामाजिक एकता और सम्मान पर सीधा प्रहार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, गाँव में बाबा साहब की प्रतिमा हाल ही में 14 अप्रैल को उनकी जयंती के अवसर पर बड़े उत्साह के साथ स्थापित की गई थी। लेकिन गुरुवार की रात अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ अज्ञात लोगों ने प्रतिमा की अंगुली और चश्मे को तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीणों की नजर क्षतिग्रस्त प्रतिमा पर पड़ी, तो पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना सुनियोजित साजिश का हिस्सा हो सकती है, जिसका मकसद समाज में तनाव पैदा करना है। मौके पर जुटे लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की।

सरपंच फुटुचंद सिंह ने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ह्लयह कृत्य केवल एक प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का मामला नहीं है, बल्कि यह समाज की शांति और भाईचारे को तोड़ने की कोशिश है। दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जानी चाहिए।ह्व

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रण में लिया। थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि स्थिति को देखते हुए गाँव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और मामले की जांच तेज कर दी गई है।

फिलहाल गाँव में सतर्कता बढ़ा दी गई है, लेकिन लोगों में गुस्सा अब भी साफ देखा जा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं।

पेड़ से उल्टा लटकाकर पिटाई कांड : पुलिस एक्शन पर भड़का गुस्सा, सड़क जाम कर ग्रामीणों का प्रदर्शन

■ हिरासत में लिए गए लोगों को छोड़ने की मांग, एकतरफा कार्रवाई का आरोप; वायरल वीडियो पर भी उठे सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुरुदास मठिया गांव में युवक को पेड़ से उल्टा लटकाकर पिटाई करने की घटना अब तूल पकड़ती जा रही है। मामले में पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर फूट पड़ा। नाराज लोगों ने बक्सर-इटाढ़ी मुख्य मार्ग को जाम कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और राहगीरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

घटना के बाद दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पक्ष के लगभग आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। इसी कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में असंतोष गहराता जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि पुलिस ने बिना पूरी जांच किए एकतरफा कार्रवाई की है और निर्दोष लोगों को पकड़ लिया गया है। प्रदर्शन के दौरान आजाद पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेश आजाद भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जिस युवक के साथ मारपीट हुई, उसे ग्रामीणों ने कथित रूप से चोरी करते हुए पकड़ा था और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई थी। बावजूद इसके पुलिस ने चोरी के मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जबकि गांव में छापेमारी कर सीधे लोगों को हिरासत में ले लिया गया।

उन्होंने वायरल वीडियो की सत्यता पर भी संदेह जताते हुए दावा किया कि यह वीडियो भ्रामक हो सकता है और संभवतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तैयार किया गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और तकनीकी जांच कराने की मांग की, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना बेहद गंभीर है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है, हालांकि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जनगणना को लेकर नप कार्यालय में प्रगणक और पर्यवेक्षकों किया जा रहा प्रशिक्षित

केटी न्यूज/डुमरांव

जनगणना को लेकर प्रशासन की तरफ से तैयारी शुरू कर दी गई है। गुरूवार को नप कार्यालय के सभागार में प्रगणकों के साथ पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में बताया गया की मकान में और भवन में रहने वाले लोगों में अंतर होता है। इसका विश्लेशण करते हुए बताया गया की मकान में एक ही परिवार रह सकते हैं, लेकिन भवन में कई चूल्हे अलग-अलग जलते हैं। ऐसे में कोई परिवार छूट नहीं जाए इस पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया। 16 से 24 अप्रैल 2026 तक चलने वाले जनगणना में स्वयं लोग जनगणना कर सकते हैं, इसको भी प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया। जनसंख्या के लिये किया जा रहा सर्वेक्षण पूरी तरह से डिजीटल है, इसलिये लोगों को जानकारी होने में कोई परेशानी नहीं होगी। चार्ज स्तरीय नौ दिवसीय इस प्रशिक्षण में बताया गया की कोई घर छूटना नहीं चाहिए। इसलिये एक पर्यवेक्षक के साथ 6 प्रगणक को रखा गया है। सभी के पास मोबाइल का रहना अति आवश्यक बताया गया। प्रशिक्षण में भवन और मकान के संबंध में जानकारी दी गई की मकान किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन भवन बहुमंजिले होते हैं, जिसमें कई परिवार निवास करते हैं। ऐसे में हर परिवार का जनगणना करना जरूरी हो जाता है। प्रगणक और पर्यवेक्षक के रूप में शिक्षक काम करेंग, इसलियें नगर के शिक्षकों का प्रशिक्षण नगर परिषद के सभागार में दो टर्म में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षक के रूप में डा. अभय कुमार पांडेय, कुमार विमल, अभिमन्यु प्रताप सिंह, राजेश कुमार के साथ पूरे कोषांग कर्मी सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण में नप ईओ राहुलधर दूबे के साथ कर्मी भी अपना सहयोग दे रहे हैं।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में संत जॉन सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल के छात्रों ने लाया बेहतर परिणाम, प्रबंधन ने सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

छात्रों की प्रतिभा और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन की झलक है परीक्षा का परिणाम : डॉ रमेश सिंह

केटी न्यूज/डुमरांव

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के घोषित परिणामों में डुमरांव के काली नगर स्थित संत जॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परिणाम जारी होते ही छात्रों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाते हुए विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से शानदार अंक हासिल किए। इस वर्ष लवली गुप्ता ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं रोहित कुमार राय ने 92.8 प्रतिशत, अमृतांशु राज ने 92 प्रतिशत, सलोनी कुमारी ने 91.8 प्रतिशत, सोनाली राज ने 90.4 प्रतिशत और स्वर्णिका कुमारी ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा अभय पाठक ने 90 प्रतिशत, नवीन कुमार पाठक ने 89.4 प्रतिशत, अमित रॉय और अमन कुमार ने 86.6 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया।

सम्मान समारोह के दौरान मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद डॉ. रमेश सिंह ने छात्रों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, उनकी प्रतिभा और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच से ही सफलता हासिल की जा सकती है।

डॉ. सिंह ने सभी सफल छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि शिक्षकों की समर्पित भूमिका के बिना इस तरह के परिणाम संभव नहीं होते।

कार्यक्रम में सह निदेशक शुभम सिंह समेत विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और गर्व का माहौल बना रहा। विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस शानदार परीक्षा परिणाम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

डुमरांव कैम्ब्रिज स्कूल का शानदार परिणाम, 95.4 प्रतिशत अंक के साथ दीप्ति चौहान बनी टॉपर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमराँव कैम्ब्रिज स्कूल के लिए इस वर्ष का परीक्षा परिणाम बेहद गर्व और हर्ष का विषय बनकर सामने आया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल अपने अभिभावकों और शिक्षकों का मान बढ़ाया, बल्कि संस्थान का नाम भी गौरवान्वित किया है। कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के दम पर छात्रों ने शानदार सफलता हासिल की है।

इस वर्ष की परीक्षा में दीप्ति चौहान ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का एक नया मानक स्थापित किया है। वहीं, संस्कार कुमार ने 95 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कुशाग्र मिश्रा ने 94 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान हासिल किया।

अन्य मेधावी छात्रों में सुमित कुमार (93.80%), अदिति कुमारी (93.40%), अभिषेक कुमार (92.80%), एनी सिंह (92.40%), शौर्य प्रकाश (91.60%), प्रकाश पांडेय (91.20%), लव कुमार (91.00%) और आदित्य कुमार

पाल (90.20%) शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विषयवार प्रदर्शन की बात करें तो कई छात्रों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संस्कृत विषय में संस्कार कुमार और एनी सिंह ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर विशेष पहचान बनाई। अंग्रेजी में कुशाग्र मिश्रा ने 99 अंक हासिल कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गणित विषय में दीप्ति चौहान ने 96 अंक प्राप्त किए, जबकि विज्ञान में संस्कार कुमार ने 97 अंक अर्जित किए। सामाजिक विज्ञान में दीप्ति चौहान ने 98 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के चेयरमैन टी. एन. चौबे ने इस शानदार परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अन्य छात्रों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जो संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और मील का पत्थर है।

वहीं, विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव प्रधान ने भी सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल छात्रों की मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का प्रतिफल है। विद्यालय के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है।

राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, निशा कुमारी बनी टॉपर

केटी न्यूज/डुमरांव

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के घोषित परिणामों में डुमरांव स्थित राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष का परीक्षा परिणाम विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासित पठन-पाठन व्यवस्था का प्रमाण बनकर सामने आया है। विद्यालय की छात्रा निशा कुमारी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। उनके इस शानदार प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। वहीं, द्वितीय स्थान पर सोनल राज, आदिती कुमारी, आदित्य सिंह और आयुष कुमार सिंह ने समान रूप से 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। तृतीय स्थान पर रिया सिंह ने 89 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि चतुर्थ स्थान पर खुशी कुमारी और जुली कुमारी ने 88-88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पंचम स्थान पर माहम सिंधुकी ने भी सराहनीय अंक लाकर विद्यालय का मान बढ़ाया। इसके अतिरिक्त विद्यालय की कई अन्य छात्राओं ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर समग्र परिणाम को गौरवपूर्ण बनाया है। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया है। प्रबंधक ब्रह्मा ठाकुर, सह-प्रबंधक सिद्धांत ठाकुर तथा प्रधानाचार्य वेंकटेशन सुब्रम्यण ने संयुक्त रूप से कहा कि विद्यालय में नियमित एवं योजनाबद्ध तरीके से पठन-पाठन कराया जाता है, जिससे छात्रों को हर विषय में मजबूत आधार मिलता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में न केवल पाठ्यक्रम को समय पर पूरा किया जाता है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नियमित टेस्ट और मार्गदर्शन के माध्यम से छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया जाता है। उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को विद्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र और प्रोत्साहन देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में शिक्षकों और अभिभावकों ने भी भाग लिया और बच्चों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पटरी पर मिला अज्ञात बुजुर्ग का शव, पहचान में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

दानापुरझडीडीयू रेलखंड पर गुरुवार को एक अज्ञात बुजुर्ग का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना डुमरांव रेलवे स्टेशन से पश्चिम दिशा में उपकारी ब्रह्म स्थान के समीप अप लाइन के पोल संख्या 646/9 और 11 के बीच की है। स्थानीय लोगों ने सुबह ट्रैक पर शव पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डुमरांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से कटकर मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल पर रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्य राजीव रंजन सिंह भी पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। मृतक की उम्र लगभग 65 वर्ष आंकी जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना भेज दी है और लापता व्यक्तियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, ताकि मृतक की शिनाख्त की जा सके। इसके साथ ही स्थानीय लोगों से भी अपील की गई है कि यदि किसी को इस संबंध में कोई जानकारी हो तो पुलिस को अवश्य सूचित करें। फिलहाल, अज्ञात शव की पहचान और घटना के कारणों को लेकर जांच जारी है।

द एमिटी स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं में रचा इतिहास, शत प्रतिशत रहा रिजल्ट

- **एडीजे पब्लिक स्कूल के विवेक कुमार बने स्कूल टॉपर**

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा स्थित एनएच-319 पर अवस्थित द एमिटी स्कूल के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन कर नया इतिहास रच दिया है। विद्यालय के सभी 29 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सफल हुए हैं। इनमें पांच छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय की टॉपर श्रेया सिंह ने 95.5 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं गीतांजलि कुमारी ने 94 प्रतिशत, रुद्र कुमार सिंह ने 92.2 प्रतिशत, अभिषेक राज ने 91.5 प्रतिशत तथा आयुष चौबे ने 90.3 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा अंकित कुमार 86.4

प्रतिशत, श्रेया श्रीवास्तव 86.2 प्रतिशत, संस्कृति राजेश 86.1 प्रतिशत, पीयूष राज 84 प्रतिशत और निधि कुमारी ने 83.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धि में चार चांद लगाया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया। स्कूल के डायरेक्टर अमरेंद्र राजेश ने सभी सफल छात्रों एवं टॉपर्स को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा टॉप-10 छात्रों को स्मार्ट वॉच देकर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डायरेक्टर अमरेंद्र राजेश ने कहा कि इस सफलता का पूरा श्रेय छात्रों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के समर्पण को जाता है। उन्होंने कहा कि द एमिटी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में देश के किसी भी विद्यालय से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखता है। वही एमडीजे पब्लिक स्कूल, लोहई टोला अमरपुरी बाली सोनवर्षा के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया और छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावकों में भी उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के सत्र 2025-26 में कक्षा 10 के कुल 315 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर शत-प्रतिशत परिणाम का नया कीर्तिमान स्थापित किया। परीक्षा में 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विवेक कुमार स्कूल टॉपर बने। वहीं 94.2 प्रतिशत अंक के साथ निशा कुमारी दूसरे स्थान पर रहीं। 92.2

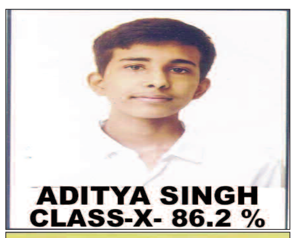

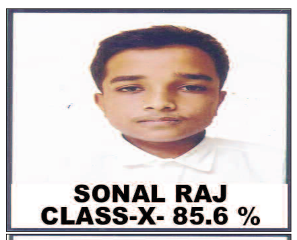

प्रतिशत अंक हासिल कर आदर्श श्रीवास्तव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अन्य मेधावी छात्रों में समीर कुमार ओझा 92%, आरूषी कुमारी 91.8% तथा अमन राज 91.2% अंक लाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा कई छात्र-छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के 125 विद्यार्थियों ने 70 से 80 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि शेष छात्रों ने भी अच्छे अंकों से सफलता पाई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. नंद कुमार सिंह ने कहा कि यह सफलता शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनशताब्दी में बम की अफवाह निकली झूठी, महिला के पास से 14 बोतल शराब बरामद

- **डुमरांव स्टेशन पर आरपीएफ की सघन जांच में खुलासा, घबराहट फैलाने वाली सूचना बनी तस्करी का पदार्फाश**

केटी न्यूज/बक्सर

जनशताब्दी एक्सप्रेस में बम होने की सनसनीखेज सूचना ने गुरुवार को रेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर ला दिया। हालांकि, गहन जांच के बाद यह सूचना पूरी तरह भ्रामक साबित हुई और मामले ने एक अलग ही मोड़ ले लिया। बम की आशंका के बीच की गई तलाशी में एक महिला यात्री के पास से 14 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

मिली जानकारी के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बक्सर के निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार को दानापुर स्थित सुरक्षा नियंत्रण कक्ष से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 15125 जनशताब्दी एक्सप्रेस के डी-15 कोच में एक महिला के शरीर पर बम बंधा हुआ है। यह सूचना एक अन्य महिला यात्री द्वारा दी गई थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया, लेकिन तब तक ट्रेन बक्सर स्टेशन से आगे बढ़ चुकी थी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डुमरांव स्टेशन पर तैनात अपने जवानों को अलर्ट किया। आरक्षी राजमुकुल कुमार और प्रधान आरक्षी मुकेश रोशन को निर्देश दिया गया कि ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध कोच की महिला रेलकर्मी के साथ सघन जांच की जाए। जीआरपी की टीम को भी इस अभियान में शामिल किया गया।

जैसे ही ट्रेन डुमरांव स्टेशन पहुंची, टीम ने डी-15 कोच में प्रवेश कर जांच शुरू की। महिला रेलकर्मी चंद्रावती देवी की सहायता से एक संदिग्ध महिला को चिन्हित कर रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ–महिला के शरीर पर बम नहीं, बल्कि चालाकी से छुपाकर रखी गई 14 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

पकड़ी गई महिला की पहचान ममता कुमारी (उम्र करीब 29 वर्ष), पति जितेंद्र कुमार, निवासी बिहिया (भोजपुर) के रूप में हुई है। जांच में स्पष्ट हुआ कि महिला ने शराब को इस तरह छुपाया था कि वह बाहर से देखने पर किसी विस्फोटक जैसी प्रतीत हो रही थी, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

आरपीएफ ने महिला को हिरासत में लेकर बक्सर लाया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बक्सर को सौंप दिया। इस घटना ने एक ओर जहां अफवाहों से बचने की सीख दी, वहीं दूसरी ओर अवैध शराब तस्करी के नए तरीकों को भी उजागर कर दिया।

रहस्यमय परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, जांच में जुटी पुलिस

कृष्णाब्रह्म। थाना क्षेत्र के रमसर मठिया गांव में एक 22 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान मीरा देवी के रूप में हुई है, जो रमसर मठिया गांव निवासी पवन गिरी की पत्नी थी। बताया जाता है कि मीरा देवी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों द्वारा इलाज के लिए ले जाया गया, जहां बुधवार की रात उसकी मौत हो गई। हालांकि, मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है, जिससे मामला संदिग्ध माना जा रहा है। मृतका मूल रूप से हरखाही मठिया गांव निवासी धनराज गिरी की पुत्री थी। उसकी शादी करीब तीन वर्ष पूर्व पवन गिरी के साथ हुई थी। दंपति के डेढ़ वर्ष के जुड़वां बच्चे हैं, जिनकी परवरिश अब एक बड़ी चुनौती बन गई है। घटना के बाद दोनों परिवारों में शोक का माहौल है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। थाना अध्यक्ष रवि कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इधर, घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाएगा। फिलहाल, पूरे मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ, किसानों का होगा समाधान

केटी/न्यूज रोहतास

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 119 ए के ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण कार्य का शुभारंभ भोजपुर जिले के तरारी प्रखंड अंतर्गत कुरमुरी मौजा में प्रशासनिक निगरानी में कर दिया गया है। कार्य की शुरूआत अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सिद्धार्थ केसरी, प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी कुंदन कुमार, सिकरहटा थानाध्यक्ष सनोज कुमार सहित अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारियों और दलबल की मौजूदगी में हुई। अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने बताया कि तरारी प्रखंड के कुरमुरी और रननी मौजा के कई किसानों को मुआवजे का भुगतान किया जा चुका है, जबकि कुछ किसानों का भुगतान लंबित है। कई किसानों ने अब तक आवश्यक कागजात जमा नहीं किए हैं, वहीं कुछ के कागजात में त्रुटियां पाई गई हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सिद्धार्थ केसरी द्वारा कुरमुरी में 21 अप्रैल 2026 और 26 अप्रैल 2026 को विशेष कैंप आयोजित करने की तिथि निर्धारित की गई है। इस कैंप में सभी संबंधित किसानों को अपने कागजात के साथ उपस्थित होकर समस्याओं का समाधान कराने का निर्देश दिया गया है। कैंप में भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता , अंचल अधिकारी तरारी, संबंधित अमीन और क्षेत्र के थानों के पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही जिन किसानों के पास बैंक खाता नहीं है, उनके लिए बैंक अधिकारियों को भी कैंप में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि मौके पर ही खाता खोला जा सके। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि किसानों की लगभग सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। भू-अर्जन पदाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कैंप में पहुंचकर अपने कागजात जमा करें, ताकि अगले 15 दिनों के भीतर मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। वही उपस्थित किसानों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे निर्माण कार्य में कोई बाधा नहीं डालेंगे, लेकिन समय पर उचित मुआवजा भुगतान की मांग को दोहराया।

बिहार से 4 नए राज्यसभा सांसद आज लेंगे शपथ, नीतीश 10 अप्रैल को ले चुके शपथ

एजेंसी। पटना

बिहार से राज्यसभा के लिए चुने गए चार सांसद आज संसद भवन में पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। उन्हें देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शपथ दिलाएंगे। इन चार नेताओं में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, समाजवादी नेता जननायक कपूर्री ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर और भाजपा नेता जीवेश कुमार शामिल हैं। इससे पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को ही राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ले चुके हैं। जानकारी के अनुसार सभी नवनिर्वाचित सांसद शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस बार राज्यसभा में बिहार से कई नए चेहरे देखने को मिलेंगे, वहीं कुछ नेताओं की वापसी भी हुई है। खास बात यह है कि नितिन नवीन और नीतीश कुमार दोनों ही पहली बार राज्यसभा पहुंचे हैं, जिससे इस चुनाव को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन का राजनीतिक सफर काफी दिलचस्प रहा है। वे पहले बिहार विधानसभा के बांकीपुर सीट से विधायक रहे और राज्य सरकार में पथ निर्माण विभाग के मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। पार्टी संगठन में उनकी सक्रियता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए भाजपा ने उन्हें पहले राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया और बाद में पूर्णकालिक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उन्हें इस पद के लिए प्रोत्साहित किया था। दूसरी ओर, उपेंद्र कुशवाहा को लगातार दूसरी बार राज्यसभा जाने का अवसर मिला है। वे लंबे समय से बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं और पिछड़े वर्ग की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वहीं रामनाथ ठाकुर को भी दूसरी बार राज्यसभा भेजा गया है। इससे पहले वे जनता दल (यू) के कोटे से राज्यसभा सदस्य बने थे और इस बार भी उन्हें निरंतरता दी गई है। भाजपा नेता जीवेश कुमार का यह पहला राज्यसभा कार्यकाल होगा। उनकी जीत को पार्टी के भीतर नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस चुनाव के जरिए भाजपा ने संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाने की रणनीति अपनाई है। इस बीच, जनता दल (यू) ने अपने कोटे से राज्यसभा के उपसभापति और वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश नारायण सिंह को तीसरी बार मौका नहीं दिया। उनकी जगह नीतीश कुमार को उम्मीदवार बनाया गया, जिन्होंने चुनाव जीतकर राज्यसभा में प्रवेश किया। हालांकि बाद में हरिवंश नारायण सिंह को राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत कर दिया गया। राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव हुए थे, जिनका कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हुआ। इन पांचों सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने कब्जा जमाया। महागठबंधन की ओर से उम्मीदवार अमरेंद्रधारी सिंह को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव के दौरान कांग्रेस के दो और राजद के एक विधायक के वोटिंग में अनुपस्थित रहने का सीधा फायदा एनडीए को मिला, जिससे उसकी जीत आसान हो गई। राज्यसभा संसद का उच्च सदन है, जहां सदस्यों का कार्यकाल छह वर्षों का होता है। हर दो साल पर एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिसके कारण चुनाव नियमित अंतराल पर होते रहते हैं। बिहार में इस बार पांच सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव आयोजित किए गए थे। इस चुनाव ने बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव भी दर्ज किया है। लंबे समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा देकर सत्ता की कमान भाजपा को सौंप दी। इसके बाद सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री बनाया गया। यह बदलाव राज्य की राजनीतिक दिशा और गठबंधन समीकरणों में बड़े परिवर्तन का संकेत देता है। कुल मिलाकर, बिहार से राज्यसभा के लिए चुने गए इन नेताओं का शपथ ग्रहण न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है, बल्कि यह राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों का प्रतीक भी है। आने वाले समय में इन नेताओं की भूमिका संसद में महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है।

बिक्रमगंज : बाबा शहीद पड़ाव की दरगाह पर लोगों ने चादरपोशी कर मांगी दुआएं

- **हिन्दू-मुस्लिम एक साथ चादरपोशी कर एकता प्रेम का देते हैं संदेश**

केटी/न्यूज रोहतास

गुरुवार को नगर परिषद,बिक्रमगंज के बिस्कोमान भवन स्थित बाबा शहीद पड़ाव की दरगाह पर हर साल की भांति इस साल भी सालाना उर्स पर लोगों ने चादरपोशी कर दुआएं मांगी। यह उर्स हर साल स्थानीय 'पड़ाव शहीद उर्स कमेटी' के बैनर तले आयोजित किया जाता है। यहां हिंदू और मुस्लिम दोनों एक साथ मिलकर बड़ी संख्या में बाबा की मजार पर अकीदत के साथ चादर पोशी कर के मन्नतें मांगते हैं।

इस संदर्भ में श्रद्धालु धावां गांव निवासी राहुल सिंह,राजन कुमार,ब्रजेश सिंह, टिंकू खां, वार्ड पार्षद संदीप कुमार,पत्रकार रवि प्रकाश,एंकर फिरोज खां सहित सैकड़ों भक्तों ने चादरपेशी कर कहा कि बाबा शहीद पड़ाव का दरगाह मनोकामनाओं के साथ हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के शांति भाईचारे का एक ऐतिहासिक संदेश भी देता है। जहां श्रद्धालु अपने हाथों में फूलों की चादर लेकर गाजे-बाजे के साथ बाबा के दरगाह पर देर रात तक पहुंच माथा टेकते हैं। साथ ही बाबा के ऐतिहासिक मजार पर चादर चढ़ाने के बाद दुआएँ मांग लोगों के बीच प्रसाद के रूप में शीरीनी का वितरण करते है। जबकि उर्स के अगले दिन कव्वाली के कार्यक्रम का आयोजन होता है। जिस में भारत के विभिन्न राज्यों से प्रसिद्ध कव्वाल अपनी संगीत की प्रस्तुति देते हैं। जिस कार्यक्रम में देर आनंद लेने के लिए न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के गांवों से भी लोग रात भर डटे रहते हैं। जिस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्थानीय जामा मस्जिद के इमाम और प्रशासनिक पदाधिकारी की भी उपस्थिति रहती है। लेकिन इस साल किसी कारणवश 17 अप्रैल 2026 को होने वाली कव्वाली स्थगित हो चुकी है।

2027 जनगणना को लेकर प्रगणकों-पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

- **प्रशिक्षण में अनुपस्थित फील्ड ट्रेनरों पर होगी कार्रवाई**

केटी/न्यूज रोहतास

प्रखंड में भारत जनगणना 2027 के परीक्षण के लिए पर्यवेक्षकों और प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार से शुरू हो गया है। इस दौरान बिहार के जनगणना निदेशालय,पटना के निदेशक रंजीता के निर्देश पर प्रशिक्षण कार्य किया जा रहा हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 391 गणना ब्लॉकों के लिए आयोजित किया जा रहा है,जिसमें 320 प्रगणक और 35 पर्यवेक्षक शामिल हैं। इन्हें 06 प्रशिक्षकों की सहायता से प्रशिक्षित किया जा रहा है। पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण रजौली अनुमंडल मुख्यालय स्थित इंटर विद्यालय परिसर में हो रहा है, जबकि प्रगणकों सभी तीन कमरों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का नेतृत्व बीडीओ संजीव झा कर रहे हैं। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 16 से 24 तक चलेगा, जिसमें प्रत्येक बैच में 44 प्रगणकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का नेतृत्व बीडीओ संजीव झा बताया कि भारत में जनगणना का कार्य 2011 के 15 वर्षों बाद 2027 में किया जाना है। उन्होंने कोविड-19 महामारी को जनगणना में देरी का मुख्य कारण बताया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 2027 की जनगणना के लिए प्रशासनिक तैयारियां चल रही हैं। इस पूर्व परीक्षण के तहत पूरे बिहार में नवादा जिले के रजौली प्रखंड,सारण के सोनपुर और सीतामढ़ी के डुमरा प्रखंड को चुना गया है। प्रशिक्षण का नेतृत्व बीडीओ संजीव झा ने बताया कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद,में से घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले जनगणना का कार्य पेन-पेपर मोड में होता था, लेकिन इस बार यह मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से किया जाएगा। इस डिजिटल प्रक्रिया में प्रगणक घरों के मैप के साथ डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर जनगणना का कार्य संपादित करेंगे। सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

एक नजर

विद्युत लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य को लेकर तकिया फीटर आज रहेगी बाधित

सासाराम। विद्युत आपूर्ति प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा लगातार वितरण तंत्र के उन्नयन का कार्य जारी है। इस क्रम में 11 केवी तकिया फीडर में लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। जिससे भविष्य में उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस कार्य के सफल निष्पादन हेतु दिनांक 17 अप्रैल शुक्रवार को तकिया 11 केवी फीडर से संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रखी जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक उक्त फीडर से जुड़े सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सासाराम-शहरी रंजन कुमार ने बताया की यह कार्य आवश्यक तकनीकी सुधार एवं लाइन की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जिससे भविष्य में बार-बार होने वाली बाधाओं से राहत मिलेगी। साथ ही उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर विद्युत आपूर्ति प्राप्त हो सकेगी। इसे लेकर विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक कार्य पहले ही पूर्ण कर लें तथा किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। जो कार्यपूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति को यथाशीघ्र बहाल कर दिया जाएगा। विभाग द्वारा इस अस्थायी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं से सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है।

महाल पंचायत के पूर्व मुखिया का आकस्मिक निधन,लोगों में शोक

पीरो। पीरो प्रखंड अंतर्गत जितौरा जंगल महाल पंचायत की पूर्व मुखिया रेणु देवी का हृदयाघात से निधन हो गया। वह छेदी टोला गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सुशील कुमार की पत्नी थी।40 वर्षीया रेणु देवी 2016 से 2021 तक जितौरा जंगल महाल पंचायत की मुखिया थी। अपने कार्यकाल में पंचायत में कराए गए विकास कार्यों के कारण उन्होंने अलग पहचान कायम की थी। पूर्व मुखिया के असामयिक निधन पर जितौरा जंगल महाल पंचायत की वर्तमान मुखिया कुमारी अर्पणा सिन्हा, अनिल कुमार गुड्डु, गोरखनाथ सिंह, चंद्रभानू पांडेय, पूर्व मुखिया वीरेन्द्र साह, पंचायत समिति सदस्य निराली कुमार,पैक्स अध्यक्ष पप्पू यादव सहित अन्य लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी है।

शराबी को पुलिस ने भेजा जेल

शाहपुर। पुलिस ने गुप्त रूप से मिली सुचना के अधार पर छापेमारी कर दीपक प्रासाद शोभी टोला प्रकाश कुमार राठौर,उमर कुमार राठौर, संतोष पासवान शाहपुर को शराब के नशे की हालत में थानाध्यक्ष राजेश मालाकार सहित पुलिस बल ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झाड़ी में आग लगने से मची अफरा-तफरी

पीरो । प्रखंड क्षेत्र के रजेयां पंचायत के मोथी बाल स्थित झाडी में गुरुवार को अचानक आग लगने से किसानों में अफरा तफरी मच गई। आग की लपटें काफी तेजी से खेतों में लगी गेंहू की फसल की ओर बढ रही थी। जिससे अगल-बगल के किसान आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए लेकिन जब आग बेकाबू होने लगी तो फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। वही पीरो अनुमंडल मुख्यालय में दमकल की गाडियां उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में अगिआंव बाजार थाना से दमकल बुलाना पडा। तब जाकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी ने लापरवाही से जलती बीडी या सिगरेट झाडी में फेंकी होगी जिससे आग लग गई।

विद्यालय छात्रों में नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का हुआ वितरण

काराकाट। काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा निःशुल्क उपल्ब्ध कराई गई पाठ्य पुस्तक मध्य विद्यालय धवनी काराकाट में कक्षा-1से 8के छात्र-छात्रा को प्रधानाध्यापक-अख्तर जमा के नेतृत्व में वितरण किया है। सरकार द्वारा उपल्ब्ध कराई गई निःशुल्क पुस्तक से अभिभावक में हर्ष है।सरकार की लक्ष्य है की सभी छात्र-छात्रा बेहतर ढंग से पढ़ाई कर सके और उच्च शिक्षा में सफलता ला सके। प्रधानाध्यापक के द्वारा बताया गया कि मध्य विद्यालय ध्वनी में कक्षा 1से 8 के कुल 210 छात्र-छात्रा को पुस्तक वितरण किया गया। उपस्थित शिक्षक श्रीभगवान सिंह,अनिल कुमार पासवान,गौरव कुमार, मो.अब्बास अंसारी,जैनूल आवेदिन,प्रियंका कुमारी एंव सभी छात्र-छात्रा की उपस्थिति रहा।

बिक्रमगंज : बाबा शहीद पड़ाव की दरगाह पर लोगों ने चादरपोशी कर मांगी दुआएं

बिक्रमगंज । गुरुवार को नगर परिषद,बिक्रमगंज के बिस्कोमान भवन स्थित बाबा शहीद पड़ाव की दरगाह पर हर साल की भांति इस साल भी सालाना उर्स पर लोगों ने चादरपोशी कर दुआएं मांगी। यह उर्स हर साल स्थानीय 'पड़ाव शहीद उर्स कमेटी' के बैनर तले आयोजित किया जाता है। यहां हिंदू और मुस्लिम दोनों एक साथ मिलकर बड़ी संख्या में बाबा की मजार पर अकीदत के साथ चादर पोशी कर के मन्नतें मांगते हैं। इस संदर्भ में श्रद्धालु धावां गांव निवासी राहुल सिंह,राजन कुमार,ब्रजेश सिंह, टिंकू खां, वार्ड पार्षद संदीप कुमार,पत्रकार रवि प्रकाश,एंकर फिरोज खां सहित सैकड़ों भक्तों ने चादरपेशी कर कहा कि बाबा शहीद पड़ाव का दरगाह मनोकामनाओं के साथ हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के शांति भाईचारे का एक ऐतिहासिक संदेश भी देता है।

रजौली पूर्वी कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में झिरझो बना विजेता

- **उप विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ मिला 25 हजार इनाम**

रजौली । मंगलवार को रजौली पूर्वी कप क्रिकेट टूर्नामेंट फाइनल मुकाबला रजौली पूर्वी पंचायत के धुरगाँव खेल मैदान में आयोजित किया गया। रजौली पूर्वी कप क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे संस्करण का फाइनल मुकाबला झिरझो और पचंबा के बीच खेला गया।जिसमे फाइनल मुकाबला में टॉस जीतकर झिरझो के कप्तान सुरेंद्र कुमार ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया जिसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी पचंबा की टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई जिसके बाद पचम्बा के खिलाड़ी छोटू कुमार उर्फ नीरज ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया और 12 ओवर के मैच मे झिरझो की टीम को 163 रनों के लक्ष्य दिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी झिरझो की टीम के ओपनर बल्लेबाज लोकेश कुमार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए ताबड़तोड़ 89 रन बनाया।और 9 गेंद शेष रहते हुए मैच को झिरझो की झोली में डाल दिया।पूरे टूनामेंट में बेस्ट प्रदर्शन करने वाले झिरझो के खिलाड़ी मनीष कुमार को बेस्ट खिलाड़ी के रूप में ट्रॉफी सहित नगद राशि देकर सम्मानित किया,वहीं बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार भी झिरझो के खिलाड़ी लोकेश कुमार को आकर्षक ट्रॉफी के साथ नगद पुरस्कार दिया गया। बेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार पचम्बा के खिलाड़ी नीरज कुमार उर्फ छोटू को दिया गया। टूर्नामेंट के समापन अवसर पर रजौली पूर्वी पंचायत के मुखिया संजय यादव ने कहा हमने हमेशा प्रयास किया कि पंचायत के बच्चों के बीच क्विज,क्रिकेट और दौड़ प्रतियोगिता हो ताकि हमारे पंचायत के बच्चे अपना भविष्य निखर सके।जब भी मुझे मौका मिलेगा मैं हमेशा पंचायत में कुछ ना कुछ नया करूँगा जिसका लाभ पंचायत के बच्चों को मिले।मैं दोनों टीम के खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें देता हूँ। मुख्य अतिथि द्वारा विजेता टीम पचंबा को आकर्षक ट्रॉफी के साथ 58 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं उपविजेता टीम के कप्तान को विशिष्ट अतिथि ने चमचमाती ट्रॉफी एवं 25 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया।इस दौरान मुख्य अतिथि गोविंदपुर के पूर्व विधायक मो कामरान ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मानसिक विकास ही नहीं, बल्कि शारीरिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल से युवा साथियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है और स्वस्थ शरीर के साथ-साथ स्वस्थ मन का निर्माण भी होता है वहीं विशिष्ट अतिथि रजौली नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जिस उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि खेल में हार-जीत लगी रहती है,इसलिए हार से घबराने की बजाय उसे अपनी गलतियों को सुधारने के अवसर के रूप में लेना चाहिए। साथ ही जीतने वाली टीम के लिए भी यह प्रेरणा है कि वे आगे और बेहतर प्रदर्शन करें।इस मौके पर बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे और पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते नजर आए।

करंट की चिंगारी ने उजाड़ा आशियाना किराना दुकान जलकर हुई खाक

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल के नया भोजपुर स्थित पकवा इनार चौक पर बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की पूरी मेहनत को राख में बदल दिया। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने सुरेश हलवाई की किराना दुकान को देखते ही देखते अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर सुरेश हलवाई अपने घर की ऊपरी मंजिल पर चले गए थे। इसी बीच अचानक दुकान से धुआं उठने लगा और कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। जब तक परिवार के लोग नीचे पहुंचे, तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी और उसे काबू करना मुश्किल हो गया। सूचना मिलते ही डुमरांव फायर

स्टेशन से अग्निशमन की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण तो पा लिया, लेकिन तब तक दुकान में रखा करीब 25 लाख रुपये से अधिक का सामान पूरी तरह जल चुका था। किराना और खाद्य सामग्री से भरी दुकान अब सिर्फ राख का ढेर बनकर रह गई है। इस हादसे का असर सिर्फ आर्थिक नहीं रहा, बल्कि मानवीय संकट भी सामने आया। आग से उठे घने धुएं के कारण ऊपर घर में मौजूद परिवार के कई सदस्य बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत और मुआवजा देने की मांग की है। फिलहाल, एक चिंगारी ने वर्षों की मेहनत को खत्म कर परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।

निशांत कुमार पहुंचे जदयू दफ्तर, कहा- पिता के आदर्शों पर चलेंगे

एजेंसी। पटना

निशांत कुमार आज जदयू कार्यालय पहुंचे। कार्यकताओं से मिले और कहा कि मेरे पिता ने बिहार में बहुत बेहतर काम किया है। निशांत कुमार ने कहा कि मैं भी अपने पिता के द्वारा दिखाए गए रास्ते पर ही आगे चलूंगा।निशांत कुमार आज अपने प्रदेश कार्यालय पहुंचे जहां वह कार्यकताओं से मुलाकात की। साथी उन्होंने आने वाले समय में पार्टी की मजबूती के लिए क्या करना चाहिए

इस पर बातचीत की। निशांत कुमार ने अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन संगठन मजबूत करने में लगाया है।

सम्राट चौधरी को सीएम बनने पर खास अंदाज में बधाई

बैठक के दौरान निशांत कुमार ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी, लेकिन उनके शब्दों में सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत भी नजर आया। उन्होंने कहा कि नए नेतृत्व में बिहार विकास की नई दिशा देखेगा।

निशांत कुमार आज फिर जदयू के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। निशांत कुमार ने कहा कि मैं पूरे बिहार में घूम घूम कर लोगों से मिलूंगा। उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश करूंगा। निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिताजी मैं बिहार में बेहतर काम किया है। जो काम शेष रह गए हैं उसे मैं पूरा करूंगा। फिर पार्टी मुझे जो जिम्मेदारी देगी उसका मैं निर्वहन करुंगा।इस मौके पर निशांत कुमार के साथ चेतन आनंद भी मौजूद थे। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को ह्लबड़ा भाईह्व बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार अपने पिता के 20 साल के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। चेतन आनंद ने आगे कहा कि जदयू का हर कार्यकर्ता निशांत कुमार से जुड़ रहा है और पार्टी को मजबूत किया जा रहा है। विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए चेतन आनंद ने कहा कि विपक्ष का काम आरोप लगाना है और वे लगाते रहेंगे।

पटना साहिब पहुंच गुरु दरबार में नतमस्तक हुए सीएम सम्राट, हरमंदिर गुरुद्वारा से किया बड़ा एलान

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शपथ ग्रहण के दूसरे दिन पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने सिख समुदाय की समस्याएं और मांगें उनके सामने रखीं, जिनके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शपथ ग्रहण के दूसरे दिन गुरुवार को पटना साहिब स्थित ऐतिहासिक तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा पहुंचकर गुरु दरबार में मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। मुख्यमंत्री के इस दौरे को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में भी देखा जा रहा है। गुरुद्वारा पहुंचने पर प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान उन्हें ह्यसिरोपाह्व भेंट कर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा परिसर में मुख्यमंत्री ने पूरी श्रद्धा के साथ गुरु घर में मत्था टेका और शांति एवं सद्भाव की कामना की। इसके साथ ही प्रबंधन कमेटी के प्रतिनिधियों ने उन्हें गुरु साहिब से जुड़े पवित्र शस्त्रों और खड़ाऊं के भी दर्शन कराए, जिनका सिख धर्म में विशेष धार्मिक महत्व है। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने बिहार में रह रहे सिख समुदाय की विभिन्न समस्याओं और मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, धार्मिक स्थलों के विकास तथा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रबंधन कमेटी ने उम्मीद जताई कि नई सरकार इन विषयों पर सकारात्मक पहल करेगी और समुदाय के हितों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

सीएम ने दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रबंधन कमेटी द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सिख समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार की पहचान उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द से है, और सरकार सभी समुदायों के विकास के लिए समान रूप से कार्य करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत से जुड़ी रह सकें।

सीएम ने बताया क्या है उनकी प्राथमिकता

ख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में शांति, भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सिख समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बिहार के विकास में हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर सिख समुदाय में उत्साह का माहौल देखा गया। गुरुद्वारा परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और उनके साथ संवाद भी किया।

सिख समुदाय ने रखी अपनी मांग

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने बिहार में रह रहे सिख समुदाय की विभिन्न समस्याओं और मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, धार्मिक स्थलों के विकास तथा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रबंधन कमेटी ने उम्मीद जताई कि नई सरकार इन विषयों पर सकारात्मक पहल करेगी और समुदाय के हितों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

बिहार में भ्रष्टाचार पर बड़ा एक्शन! 10 हजार की रिश्वत लेते इंजीनियर गिरफ्तार, एसवीयू की ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप

एजेंसी। पटना

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत एक बार फिर विशेष निगरानी इकाई (रश्व) ने बड़ी सफलता हासिल की है। राज्य में ह्लजीरो टॉलरेंसह्व नीति के तहत की गई इस कार्रवाई में बिहार शिक्षा परियोजना के सहायक अभियंता भूषण प्रसाद को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी से विभागीय स्तर पर हड़-कंप मच गया है और प्रशासनिक महकमे में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती के संकेत और मजबूत हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई नंदन कुमार झा की लिखित शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उन्होंने डगरूआ प्रखंड के मीनापुर गांव में एक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य कराया था। निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद उन्हें लंबे समय से भुगतान नहीं मिल रहा था। जब उन्होंने विभागीय स्तर पर अपने बिल के भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की

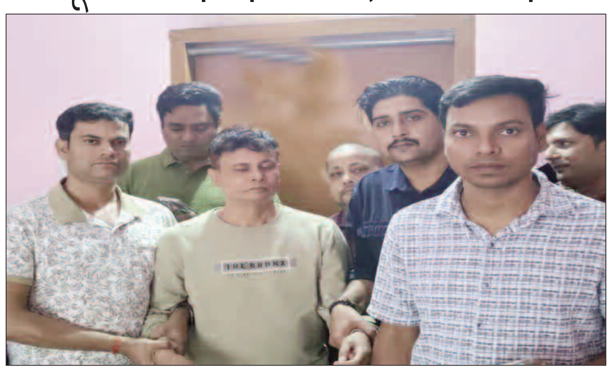

कोशिश की, तो उन्हें लगातार टालमटोल का सामना करना पड़ा।शिकायत में बताया गया कि सहायक अभियंता भूषण प्रसाद द्वारा एमबी (मेजरमेंट बुक) वैल्यू के एवज में 6 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही थी। यह राशि भुगतान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मांगी जा रही थी। आरोप है कि अभियंता पहले भी अलग-अलग किस्तों में पीड़ित से पैसे ले चुका था, लेकिन इसके बावजूद और अधिक राशि की मांग की जा रही थी। इस बार अभियंता ने 10 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग की थी और स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि यह राशि नहीं दी गई तो एमबी पर हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। इससे परेशान होकर शिकायतकर्ता ने पूरी घटना की जानकारी विशेष निगरानी इकाई को दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए रश्व ने तुरंत एक ट्रैप टीम का गठन किया और योजना बनाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।योजना के अनुसार, जैसे ही शिकायतकर्ता नंदन कुमार झा ने अभियंता को 10 हजार रुपये दिए, पहले से तैयार निगरानी टीम ने मौके पर ही भूषण प्रसाद को दबोच लिया।

बिहार में तेज रफ्तार ट्रक और बस की जोरदार टक्कर दो दर्जन से ज्यादा यात्री घायल, 8 की हालत नाजुक

एजेंसी। पटना

गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। सुपौल जिले के निर्मली थाना क्षेत्र में हरियाही के पास एनएच-27 पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब यात्रियों से भरी एक बस और तेज रफ्तार ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और चीख-पुकार मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह बस पटना से उदाकिशुनगंज की ओर जा रही थी और उसमें दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। सुबह करीब 4 बजे के आसपास जैसे ही बस हरियाही स्थित हर्ष पेट्रोल पंप के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने के दौरान बस में जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे से बस का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर हाहाकार मच गया। बस के अंदर फंसे यात्रियों की चीखें दूर तक सुनाई

दे रही थीं। आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। किसी तरह बस के अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। कई लोग खून से लथपथ हालत में सड़क पर पड़े थे, जिससे पूरा दृश्य बेहद भयावह हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल, निर्मली भेजा गया। डॉक्टरों के मुताबिक कुल 14 घायलों को अस्पताल लाया गया, जिनमें से 8 की हालत गंभीर पाई गई। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बाकी घायलों का इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई यात्रियों को सीटों के बीच फंस जाना पड़ा, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं ट्रक चालक भी अपने वाहन में फंस गया था, जिसे बाद में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि हादसे की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही से ओवरटेक करना हो सकता है।

एक नजर

बिहार के एआईएमआईएम विधायक से दूसरी बार मांगी पांच लाख की रंगदारी, पैसे नहीं देने पर हत्या की धमकी

पटना। बिहार के अररिया जिले के जोकीहाट से एआईएमआईएम विधायक मुर्शीद आलम को डेढ़ महीने के भीतर दूसरी बार रंगदारी मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी गई है। इस बार अज्ञात कॉलर ने खुद को पूर्णिया का साजिद आलम बताते हुए 5 लाख रुपये की मांग की और रकम नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी दी। विधायक ने बताया कि 14 अप्रैल की शाम 5:46 बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने पहले अपना नाम नहीं बताया, लेकिन खुद को पूर्णिया का रहने वाला कहा। उसने धमकी भरे लहजे में 5 लाख रुपये देने को कहा। इसके बाद शाम 7:09 बजे व्हाट्सएप कॉल के जरिए फिर संपर्क किया गया, जहां कॉलर ने अपना नाम साजिद आलम बताते हुए पैसे खाते में भेजने को कहा।मुर्शीद आलम के अनुसार, उन्होंने कॉलर से कहा कि वह अपना कोई व्यक्ति भेज दे, जिसे रकम दी जा सके, लेकिन इसके बाद कॉल काट दिया गया। इस संबंध में विधायक ने पलासी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कॉल डिटेल्स के आधार पर आरोपी को ट्रैक किया जा रहा है। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। बता दें कि इससे पहले 6 मार्च को भी विधायक से 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। उस मामले में कॉलर ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नवादा से एक नाबालिग को पकड़ा था, जो नालंदा का निवासी था। पुलिस के अनुसार, दोनों घटनाओं में शामिल आरोपी अलग-अलग हो सकते हैं।

डबल मर्डर केस में 28 साल बाद 15 दोषियों को उम्रकैद की सजा, बिहार की कोर्ट ने सुनाया फैसला

पटना। बिहार के अररिया जिले में 1998 में हुए एक पुराने हत्याकांड में आखिरकार न्याय मिला है। अररिया व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुंजन पांडेय की अदालत ने 15 आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला घटना के 28 साल बाद आया है, जिससे मृतकों के परिजनों ने राहत की सांस ली है।यह घटना 3 मई 1998 को पलासी थाना क्षेत्र के डेंगा चौक पर हुई थी। शिकायतकर्ता मो. इबनुस के अनुसार, वह चाय पीने गए थे तभी हरि लाल यादव की कपड़ा दुकान के पास हंगामा हो गया। वहां 30झ्र40 लोगों की भीड़ ने हरि लाल यादव पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके समधी अलीमुद्दीन को भी भीड़ ने दबिया, फरसा और लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव ले जाने से भी रोका गया।अदालत ने सभी 15 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं 147, 148, 149, 302/34, 379, 323, 341 और 307 के तहत दोषी ठहराया है। प्रत्येक दोषी को आजीवन कारावास के साथ 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर उन्हें अतिरिक्त छह महीने की सजा काटनी होगी।दोषियों में कई की उम्र 70 वर्ष से अधिक है, जबकि सबसे बुजुर्ग मो. हाजी रोजिद (89 वर्ष) हैं। पुलिस ने कुल 21 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, लेकिन मुकदमे के दौरान 6 आरोपियों की मौत हो गई। इस मामले में 13 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दोनों पक्षों की दलीलों के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया।

11 साल से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी भोला सिंह अरेस्ट, सूरत से उइकने दबोचा

पटना। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी भोला सिंह उर्फ गौतम कुमार उर्फ अमित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी 13 अप्रैल 2026 को र४१३ से की गई, जहां वह फर्जी पहचान के साथ रह रहा था। इस कार्रवाई को एजेंसी की बड़ी सफलता माना जा रहा है। उइक के मुताबिक, यह मामला वर्ष 2014 में कोलकाता के दो निवासियों के अपहरण से जुड़ा है, जो आज तक लापता हैं। 14 जुलाई 2014 को हुए इस सनसनीखेज अपहरण मामले की जांच बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर उइकको सौंप दी गई थी। जांच के दौरान भोला सिंह की भूमिका सामने आई थी, जिसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपी पिछले करीब 11 वर्षों से कानून से बचता फिर रहा था और अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग नामों का इस्तेमाल कर रहा था। सूरत में वह ह्यअमित शर्माह्व के नाम से फर्जी दस्तावेजों के जरिए रह रहा था। उइकको गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर एक सुनियोजित ऑपरेशन चलाया गया और उसे उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के अनुसार, भोला सिंह बिहार पुलिस के लिए भी एक वांछित अपराधी है। उसके खिलाफ कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें अपहरण, हत्या, हत्या का प्रयास, अवैध हथियार रखने और विस्फोटक पदार्थ रखने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। उसकी गिरफ्तारी से कई राज्यों की पुलिस को राहत मिली है। उइक अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को सूरत की स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से उसे ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ले जाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद उसे कोलकाता की सक्षम अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने की मांग की जाएगी, ताकि उससे गहन पूछताछ की जा सके। जांच एजेंसी का मानना है कि भोला सिंह से पूछताछ के दौरान इस पुराने अपहरण मामले के कई अहम राज खुल सकते हैं। साथ ही, यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि लापता दोनों व्यक्तियों के बारे में कोई महत्वपूर्ण सुराग मिल सकता है। यह केस पिछले कई वर्षों से अनसुलझा था और अब आरोपी की गिरफ्तारी से जांच को नई दिशा मिलने की संभावना है। उइककी टीम अब इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहराई से जांच करेगी। एजेंसी यह भी पता लगाने की कोशिश करेगी कि आरोपी इतने लंबे समय तक कैसे फरार रहा और किन-किन लोगों ने उसे शरण दी। इसके अलावा फर्जी दस्तावेज बनाने वाले नेटवर्क की भी जांच की जा सकती है।

बिहार में भीषण गर्मी का कहर जारी : तापमान 41°C के पार पहुंचा, अगले कुछ दिनों तक राहत नहीं मिलने की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और आने वाले कुछ दिनों तक इससे राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। राज्य के कई हिस्सों में दिन का तापमान तेजी से ऊपर चढ़ रहा है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को बिहार का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि कई जिलों में गर्म हवाओं ने स्थिति और भी मुश्किल बना दी है। मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस डेहरी (रोहतास) में दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम

तापमान 19.9 डिग्री सेल्सियस वैशाली में रिकॉर्ड किया गया। इससे एक दिन पहले मंगलवार को कैमूर में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लगातार बढ़ते तापमान से यह साफ है कि बिहार में गर्मी का असर दिन-प्रतिदिन तेज होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की सूचना नहीं है, लेकिन स्थिर उच्च तापमान ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले दो से तीन दिनों तक मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। न ही बारिश के कोई संकेत मिल रहे हैं और न ही तापमान में राहत मिलने की उम्मीद है। राज्य में वर्षा की मात्रा भी शून्य दर्ज की गई है, जिससे सूखे जैसे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। उत्तर-पूर्व बिहार को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। धूप की तीव्रता लगातार बढ़ रही है और दोपहर के समय सड़कें लगभग खाली नजर आ रही हैं। राजधानी पटना में भी गर्मी का असर साफ देखा जा रहा है। बुधवार को पटना के अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई, जिसके बाद तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को भी राजधानी का तापमान 0.4 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 37.7 डिग्री सेल्सियस था। लगातार बढ़ते तापमान ने शहरवासियों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। केवल अत्यावश्यक कार्यों के लिए ही लोग बाहर निकल रहे हैं। दोपहर के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब लू जैसे हालात बन जाते हैं। बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और सामान्य गतिविधियां धीमी पड़ गई हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले 2 से 3 दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

डबल मर्डर केस में 28 साल बाद 15 दोषियों को उम्रकैद की सजा, बिहार की कोर्ट ने सुनाया फैसला

एजेंसी। पटना

बिहार के अररिया जिले में 1998 में हुए एक पुराने हत्याकांड में आखिरकार न्याय मिला है। अररिया व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुंजन पांडेय की अदालत ने 15 आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला घटना के 28 साल बाद आया है, जिससे मृतकों के परिजनों ने राहत की सांस ली है। यह घटना 3 मई 1998 को पलासी थाना क्षेत्र के डेंगा चौक पर हुई थी। शिकायतकर्ता मो. इबनुस के अनुसार, वह चाय पीने गए थे तभी हरि लाल यादव की कपड़ा दुकान के पास हंगामा हो गया। वहां 30झ्र40 लोगों की भीड़ ने हरि लाल यादव पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके समधी

अलीमुद्दीन को भी भीड़ ने दबिया, फरसा और लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव ले जाने से भी रोका गया। अदालत ने सभी 15 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं 147, 148, 149, 302/34, 379, 323, 341 और 307 के तहत दोषी ठहराया है। प्रत्येक दोषी को आजीवन कारावास के साथ 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुमार्ना न भरने पर उन्हें अतिरिक्त छह महीने की सजा काटनी होगी। दोषियों में कई की उम्र 70 वर्ष से अधिक है, जबकि सबसे बुजुर्ग मो. हाजी रोजिद (89 वर्ष) हैं। पुलिस ने कुल 21 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, लेकिन मुकदमे के दौरान 6 आरोपियों की मौत हो गई। इस मामले में 13 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दोनों पक्षों की दलीलों के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। यह मामला पलासी थाना कांड संख्या 70/1998 और सत्रवाद संख्या 70/2004 से जुड़ा है। शुरूआती जांच में 9 लोगों को नामजद किया गया था, लेकिन बाद में और लोगों की संलिप्तता सामने आई। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने यह ऐतिहासिक निर्णय दिया, जिससे 28 साल पुराने इस मामले में पीड़ित परिवारों को आखिरकार न्याय मिला है।